



संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

विष्णु न्यूज

पुलिस ने इंग्स तस्कर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस के शाहदरा जिला की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक कुख्यात ड्रा तस्कर को गिरफ्तर किया है। दरियाना के फरीदाबाद से ड्रा लाकर दिल्ली के शाहदरा में सल्लाई करने वाले आरोपित से पुलिस ने 17 किलोग्राम से ज्यादा मात्रा में गांजा बरामद किया है। आरोपित की पहचान कृष्णन अरुण कुमार, इंद्रपुरी, नई दिल्ली के रूप में की गई है। वह मूलरूप से तमिलनाडु का रहने वाला है। पुलिस ने उसके खिलाफ एडीपीएस की धारा के तहत मामला दर्ज किया है। शाहदरा जिला डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने भाजपा ने घोषणा पत्र की सुचिता को फिर स्थापित किया है।

पर्यावरण अनुकूल शहरों का विकास करेंगे

पार्क, खेल के पैदान जैसे अधिक हरित स्थानों का विकास करने का वादा किया गया है। वहीं जीलों और तालाबों जैसे जलालयों को पुनर्जीवित करेंगे ताकि शहरों को पर्यावरण अनुकूल और लोगों के रहने वाले योग्य सुविधायुक्त बनाया जा सके।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की सदिग्द परिस्थितियों में नौत्र

ब्रह्मगंगा : उत्तर 24 पराना जिले के ब्रह्मगंगा नाम अंतर्गत निर्जन सेन नगर इलाके में गविवार सुदूर एक कमरे से एक ही परिवार के तीन सदस्यों का शव बरामद होने से इलाके में हड्डियां मच गया। मृतकों में परिवार का मुखिया शंकर हलदर (70), उनके बेटे बप्पा हलदर और पोता वर्षा हलदर शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पड़ेसियों से सूचना मिली थी कि निर्जन सेन सारणी के घर से सड़ङ्ग की दुर्गंध आ रही थी। सूचना पाकर एसएस पहुंची और बढ़ गेट का ताला तोड़कर अंदर दशहल हुई तो देखा कि एक कमरे में युवक और एक अच्युत युवक का शव पड़ा हुआ है। पता चला कि ये दादा-पांत हैं और जो एक शव बरामद हुआ है वह लड़के का है।

चार बदमाश तीन कट्टा और 9 गोली के साथ गिरफ्तार

गुमला : पुलिस ने पेटेल चौक के नजदीक लूटपाट की घटना को अंजाम देने पहुंचे चार बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तर किया है। गिरफ्तार आरोपितों के नाम मुता साह, सूरज कुमार सिंह, शुभम कुमार और बबलू साह हैं। सभी जिले के बायान थाना थक्रे के चपका के रहने वाले हैं। इनके पास से तीन देसी कट्टा, .303 एमएम की चार गोली, .315 एमएम की तीन गोली और 12 ओर कार दो गोली पुलिस ने बरामद की है। गिरफ्तारों को बताया कि शनिवार रात सूचना मिली कि गुमला थाना थक्रे के पेटेल चौक के पास चार सर्दियां व्यक्ति के चढ़े हुए हैं। सूचना पर मुता थाना रायगढ़ी सुरेंद्र गंगार और अन्य टीम के साथ योग्यकरण के पास देखते थे। इनके बाद पुलिस बल ने सभी को पकड़ लिया। तलाशी के क्रम में तीन देसी कट्टा, 9 गोली बरामद की। बदमाशों ने पूछलाल में बताया कि वह पहले भी कई आपातक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। सभी पहले आरोपितों को बरामद हुए हैं।

इसाइल पर ईरान के हमले के बाद भारत का अलर्ट, लोगों से धैर्य बरतने व सुरक्षित रहने को कहा

नई दिल्ली : इसाइल पर ईरान के हमले के बाद इसाइल स्थित भारतीय दूतावास ने अपने नामिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों को शांत रहने और सभी सम्पत्ति प्रत्यक्षकाल का पालन करने का निर्देश दिया गया है। अध्युपर्यावरण भर्ती नामिकों ने इसाइल पर ईरान के जारी रखिए तौर पर ईरान के राजनीतिक मिशन पर हमले के जावाब में शर्त दिया गया। इसाइल के हमले में कई लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ईरान के दो शीर्ष कमांडर भी मौत हुए।

रांची का तापमान

अधिकतम 35°
न्यूनतम 20°

सातवां स्वरूप- कालाशि

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का नाश होता है।

संकट हवाएँ के लिए माता के कालाशि स्वरूप का जन्म हुआ। संकट को काल नीं कहते हैं, हर तरह के काल का अंत करने वाली नीं कालाशि कहलाती है। उनके पूजन से सभी संकटों का



बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

प्रभात मंत्र संवाददाता

गढ़वा : भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती रविवार को गढ़वा में विभिन्न स्थानों पर मनायी गयी। इस मौके पर समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त शेरवार जमुआर द्वारा डॉ. अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्ट अर्पित कर श्रद्धा सुपूर्ण अर्पित किया गया। इधर भारतीय जनता पार्टी गढ़वा नगर मंडल इकाई द्वारा अद्यक्ष उपर्याप्त की अध्यक्षता में टैक्सी बस स्टैंड वानरों नदी के किनारे एवं सहजना मोड पर डा. अंबेडकर की प्रतिमा की साफ-सफाई कर माल्यार्पण की गया। मौके पर जिलाध्यक्ष ठाकर प्रसाद महतो, नगर मंडल अद्यक्ष उमेश कश्यप, महामंत्री विश्वेत कुमार प्रिया, राकेश शंकर गुप्ता, सूरज गुप्ता, भाजा सिंह,



एमएसए स्कूल में संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की मनी जयंती

प्रभात मंत्र संवाददाता

मेदिनीनगर : शफीक एजुकेशनल एंड वेलेकेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित एमएसए पब्लिक स्कूल में आज देश के संविधान निर्माता भारतीय से सम्मान डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती होने पर मनाहेर पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शफीक सर्वे ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्ट अर्पित व दीप प्रज्ञलित कर किया। जयंती समाप्त होने में बाबा साहब के संसर्व भीजंदारों का व्याख्या करते हुए एकल संघर्षक सह अद्यक्ष मार्गी अंसरों ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर बाबा साहब ने शिक्षा को हेमेशा सर्वोपरि माने वो कहत थे कि शिक्षा से ही लड़ाई लड़ी और जीती जा सकती है। शफीक सर्वे कहा कि बाबा साहब द्वारा लिखे गए संविधान के आधार पर ही आज हम लोगों को बोलने, चलने और अपने अधिकार के लड़ाई लड़ने की आजादी प्राप्त हुई।



है। यह देश बाबा भीमराव अंबेडकर का ही है। भीमराव अंबेडकर का एक ही सपना था कि सभी शिक्षित हों, एकजूह हों, संघर्षशील हों और आज यह सपना साकार होते हुए नजर आ रहा है। मौके पर स्कूल के उप ग्राम्य संघर्ष विद्यालय एवं अकाली शफीक ने कहा कि दलितों और वर्चितों को बोरारी का हक दिलाने का काम अंबेडकर ने ही किया। आज हम उनके विचार व उनके

आदर्शों के पथ पर चलते थे यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम का अध्यक्षता प्राचार्या सुनीता प्रसाद कर रखे थे। कार्यक्रम में शिक्षक नवल किशोर सिंह, गहुल पांडेय, किशन कुमार, सुंधर सिंह, तनाया सिंह, सुहेल आलम, स्मृति देवा, रुद्धि, खुशी शर्मा, बबीता शर्मा, आशा कुमारी, स्वेता टोयो सहित कई अन्य उपस्थित थे।

एके सिंह कॉलेज जपला में ज्योतिबा फुले की जयंती पर छात्र सेमिनार का आयोजन

प्रभात मंत्र संवाददाता

हसैनाबाद, पलामू : अधिनिक भारत के निर्माता, कॉलि जयंती महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर शनिवार को एक सिंह कॉलेज जपला में छात्र - सेमिनार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन छात्र शिशंजन ने किया। प्राचार्य सूर्य मणि सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ज्योतिबा फुले ने सत्यशोधक समाज और सांस्कृतिक संस्थानों की शास्त्राना द्वारा समाज में वायस विषमता, विपरीत एवं अंधविश्वास पर सीधी प्रहार किया। एकेडमिक इंचार्ज डॉलकर राम सुभाग रिह ने कहा कि अन्युपकृत लोगों को घुसा देखा जाना का विरोध किया और पहली बार लड़कियों ने स्कूल के अंदर आंशिक होती है। ज्योतिबा फुले की जयंती पर छात्रों को घर बैठने के लिए दीप प्रज्ञलित किया गया।



और पहली बार लड़कियों ने स्कूल का मूँह देखा। दिव्य कुमारी ने कहा कि किसान का कोड़ा लिखाकर फुले ने किसानों की समस्याओं से दूर की अवकाश कराया। मुसरित प्रवीण ने कहा कि फुले के अंदर आंशिक होती है, जिससे हिंसा की भावना उत्पन्न हो जाती है। इसके बाद सामुहिक रूप से नाम जप, सत्यनुशरण ग्रंथ व नारी नीति ग्रंथ का पाठ किया गया। संस्कृत में रामा देवी, गीता देवी, अनिता देवी व धृतिसुन्दर लाल ने भक्ति मूलक भजन प्रस्तुत किया। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृत अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। स्वार्थ की पूर्ति नहीं होने से क्रोध की उत्पत्ति होती है, जिससे हिंसा की भावना उत्पन्न हो जाती है। इनके प्रकाश डालते हुए कहा जाता है कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। स्वार्थ की पूर्ति नहीं होने से क्रोध की उत्पत्ति होती है, जिससे हिंसा की भावना उत्पन्न हो जाती है। इनके प्रकाश डालते हुए कहा जाता है कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को लेकर अग्रसर होता है। सत्यांगी शक्तिवास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अंहकारी नहीं होना चाहिए। अंहकार से आशकृति अतीत है तबा आशकृति से स्वार्थ बुद्धि आ जाती है। इन्हें बाबा भीमराव डॉलकर विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य दौशा प्रगति कर वर्तमानशी श्री त्रिकूर जी को प्राप्त करता तथा दूसरे होता है। धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि श्री त्रिकूर जी के जीवन से लाभान्वित होकर मनुष्य परिवर्त व समाज को ल

कांग्रेस के चाणक्य डीके शिवकुमार के किले को भेद पाएंगे डॉ. मंजूनाथ?

एजेंसी

बैंगलुरु : 400 के द्यागेट को पूरा करने के लिए इस बार बीजेपी ने जेडीएस के साथ मिलकर बैंगलुरु ग्रामीण सीट की भी किलेबंदी कर ली है और इस बार इस गढ़ पर फतह के लिए बीजेपी ने एक ऐसे डॉक्टर को मैदान में उतारा है, जिनकी व्यक्तिगत छवि का लोगों के बीच जबरदस्त असर है। कांग्रेस की मजबूत चुनाव समूह भी इके शिवकुमार और उनके छोटे भाई डीके सुरेश के लिए इस बार परीक्षा की घड़ी है। कांग्रेस अब इस गढ़ को एक बार फिर बचा लेगी या इस बार बीजेपी और जेडीएस मिलकर इसे डीके ब्रदर से छीन लेंगे।